वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :5 अंक : 74 | मंगलवार 8 जुलाई 2025 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

खान विभाग की संयुक्त समीक्षा बैठक

हमारी सरकार का खनन और पर्यावरण के मध्य संतुलन पर विशेष जोर: मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

राज्य में प्रचुर खनन संपदा, खनन की अपार संभावनाएं ● खनिजों के समुचित दोहन से अर्थव्यवस्था को मिल रही गति

खनन क्षेत्र में मुख्यमंत्री के नेतृत्व में राजस्थान में हो रहा बेहतरीन काम दुर्लभ खनिज संपदा होने से राजस्थान की भूमिका महत्वपूर्ण: केन्द्रीय कोयला एवं खान मंत्री

जयपुर. कासं

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य में प्रचुर मात्रा में खनिज संसाधन उपलब्ध हैं तथा खनन की अपार संभावनाएं हैं। इन संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग से न केवल राज्य की अर्थव्यवस्था को बल मिलेगा बल्कि स्थानीय रोजगार और क्षेत्रीय विकास को भी गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार प्रदेश में खनन से राजस्व अर्जन के साथ खनन और पर्यावरण के मध्य संतुलन पर भी विशेष जोर दे रही है। केन्द्र एवं राज्य सरकार के बेहतरीन सामंजस्य से प्रदेश में खनन के क्षेत्र में अभूतपूर्व काम हो रहा है। शर्मा एवं केन्द्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर खान विभाग की संयुक्त समीक्षा बैठक कर रहे थे। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में असीम खनिज संपदा की संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए नए खनिज ब्लॉक्स की पहचान की जाए। साथ ही, नीलामी प्रक्रिया में तेजी लायी जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि केन्द्र सरकार से समन्वय करते हुए इस क्षेत्र में पर्यावरण क्लीयरेंस में भी गति लायी जाए जिससे समयबद्ध खनन सुनिश्चित हो सके।

निवेश को आकर्षित करने के लिए खनिज संपदा का करें व्यापक प्रचार-प्रसार

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में 82 प्रकार के धात्विक एवं अधात्विक खनिज हैं जिनमें से 57 प्रकार के खनिजों का दोहन किया जा रहा है। राज्य की खनिज संपदा बहुमूल्य एवं दुर्लभ है। ऐसे में इस संपदा का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए जिससे अधिक से अधिक उद्योगपति प्रदेश में निवेश करें। उन्होंने कहा कि

विभाग द्वारा खनन नवाचारों को बढ़ावा देने के लिए नियमों में आवश्यकतानुसार संशोधन किया जाए। इसके लिए इस क्षेत्र में अन्य राज्यों द्वारा किए जा रहे कार्यों का भी अध्ययन करें।

प्रधानमंत्री दुर्लभ खनिजों के सुनियोजित खनन को दे रहे बढ़ावा

केन्द्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी ने कहा कि राजस्थान खनिज संपदा की दृष्टि से समृद्ध राज्य है। यहां बहुमूल्य एवं दुर्लभ खनिज की व्यापक संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी देश में ग्रीन एनर्जी सेक्टर को बढ़ावा देने के लिए दुर्लभ खनिजों के सुनियोजित एवं तीव्र खनन पर विशेष बल दे रहे हैं। इस दिशा में राजस्थान की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। केन्द्रीय मंत्री ने मुख्यमंत्री के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि राजस्थान खनन क्षेत्र में पारदर्शिता, स्थानीय विकास और निवेश आकर्षण के लिए उल्लेखनीय काम कर रहा है। परिणामस्वरूप हाल ही में देशभर में खनिज ब्लॉकों की

नीलामी में अनुकरणीय प्रदर्शन के लिए राजस्थान को प्रथम पुरस्कार से सम्मानित भी किया गया था। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि इस क्षेत्र में और अधिक निवेश आकर्षित करने के लिए प्रो-एक्टिव अप्रोच के साथ काम करें। इससे पहले प्रमुख शासन सचिव खान टी. रविकांत ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से राज्य में खनन क्षेत्र में राजस्व के प्रमुख स्रोत, ब्लॉक्स की नीलामी तथा उनमें खनन संभावनाएं, राज्य के डीएमएफटी, एनएमईटी सहित विभिन्न कोयला एवं खान संबंधित प्रकरणों पर विस्तृत जानकारी दी। इस दौरान मुख्यमंत्री ने केन्द्रीय मंत्री को स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका स्वागत-अभिनंदन किया। इस अवसर पर केन्द्र एवं राज्य के विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे।

सुख-शान्ति-समृद्धि के लिए भक्ति और दुकान के बीच संतुलन करना ही होगा: दिगंबराचार्य श्री विमर्शसागर जी

सोनल जैन. शाबाश इंडिया

भिंड। भावलिंगी संत ने गुरुभक्ति का दिया अनुपम उदाहरण, स्वयं बोलकर करायी अपने गुरुवर आचार्य श्री विरागसागर जी महामुनिराज का पूजन आत्मा जन्म-मरण से रहित अजर-अमर अविनाशी है किन्तु संसारी जीव अनादि से भरने का अभ्यासी है। जिनेन्द्र भगवान ने अमर होने का मार्ग बताया, विधि बतायी है। जिनेन्द्र भगवान के मार्ग का आश्रय करने से आत्मा के अविनाशी स्वभान प्रगट होता है। यदि मैं आपसे करें कि आपके अन्दर भी अ गुण विद्यमान हैं तो आप स्वीकार नहीं करते, कहते हो गुरुदेव। हमारे अंदर कहाँ गुण हो सकते हैं हम तो अवगुणों की ही खान हैं, गुण हम में होते तो आज हम यहाँ नहीं होते। बन्धुओं कोई दूसरा हमें अपने गुणों से परिचय कराये, इसके साथ जरूरी है कि हम अपने ही गुणों से अपने अनन्त गुणों का ज्ञान प्राप्त करें। ऐसा सुमांगलिक उद्बोधन सहारनपुर जैन बाग के श्री 1008 महावीर जिनालय में चल रहे ''सिद्ध चक्र महामण्डल विधान'' के मध्य परमपूज्य जिनागम पंथ प्रवर्तक संघ शिरोमणि भावलिंगी संत दिगम्बराचार्य श्री 108 विमर्शसागर जी महा मुनिराज ने उपस्थित धर्मसभा के मध्य दिया। आचार्य श्री ने धर्म पिपासुओं की धर्म प्यास पूर्ति

करते हुए कहा -एक बात में आपसे पूछता हूं - रसगुल्ला मीठा होता है यह बात आपने कैसे जानी ? बन्धुओ! यह बात आपने अपने ज्ञान से जानी है। जिस प्रकार, एक पात्र में चांवल पक रहे हैं कैसे जानोगे कि चावल पक चुके है? आप एक न्चावल निकालकर यह निर्णय कर लेते हैं कि पात्र के समस्त चावल पक चुके हैं। ठीक इसी प्रकार आप सब पदार्थों को अपने ज्ञान से जानते है भले ही वह ज्ञान अभी पूर्ण ज्ञान नहीं है किन्तु जब भी आपको कोई वस्तु का ज्ञान होगा वह अपने ही ज्ञान गुष से ही होगा, इसका तात्पर्य है आपके आत्मा में अनंत ज्ञान शक्ति भरी हुयी है यही ज्ञान आत्मा का एक गुण है। यहाँ आप अपने गुण से अपने आत्मा के अनन्त गुणों का परिचय कर सकते हैं। बन्धुओ! जिस मध्यलोक में हम-आप निवास करते हैं वह मध्यलीक बड़ा ही विशिष्ट स्थान है। आज तक जितने भी सिद्ध भगवान हुये हैं वे सब मात्र मध्यलोक से ही हुये हैं। आप कहोगे, सिद्ध भगवान तो सिद्धालय में होते हैं। ध्यान रखो, सिद्धालय तो सिद्ध भगवानों का संग्रहालय है, सिद्ध बनते तो मध्यलोक से ही हैं। अरहंत, सिद्ध, आचार्य, उपाध्याय और साधु ये पाँचों ही परमेष्ठी मध्य लोक में ही होते हैं न तो ऊर्ध्वलोक में, न ही अधोलोक में । लोक के सर्वश्रेष्ठ महापुरुषों का उत्पादन मध्यलोक से ही होता है और आपकी दुकान भी मध्यलोक में चलती है। आपको पंचपरमेष्ठी की दुकान से जादा अपनी दुकान प्रिय है। साथ में मेरी एक बात हमेशा ध्यान रखना, यदि जीवन में सुख, शान्ति, समृद्धि देखना चाहते हो तो पंच परमेष्ठी की दुकान एवं अपनी दुकान के बीच संतुलन बनाना ही होगा। आप प्रभु एवं गुरु की भक्ति छोड़कर मात्र अपनी दुकान की समृद्धि चाहें तो याद रखो आपका यह ख्वाब जल्द ही मिटने वाला है। 10 जुलाई को सहारनपुर होगा छोटा भारत, देश भर से पधार रहे हैं" हजारों गुरुभक्त।

9 जुलाई को होगा वर्षायोग मंगल कलश स्थापना समारोह

आयोजक समिति ने किया पत्रिका का विमोचन

आगरा. शाबाश इंडिया। आचार्यश्री चैत्यसागर जी महाराज ससंघ के मंगल सानिध्य में 9 जुलाई को चातुर्मास मंगल कलश स्थापना समारोह का आयोजन होने जा रहा है। जिसको लेकर आगरा दिगंबर जैन परिषद के तत्वावधान में 7 जुलाई को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस दोपहर 3:00 बजे से मोतीलाल नेहरू रोड स्थित श्री नेमिनाथ दिगंबर जैन मंदिर अतिशय क्षेत्र पीर कल्याणी नसिया जी पर आयोजित की गई। जिसमें आयोजक समिति के पदाधिकारीओं द्वारा चातुर्मास मंगल कलश स्थापना समारोह की पत्रिका का विमोचन किया गयोआगरा दिगंबर जैन परिषद के अध्यक्ष जगदीश प्रसाद जैन ने पत्रकार को संबोधित करते हुए बताया कि वात्सल्य रत्नाकर आचार्यश्री विमल सागर जी महाराज के परम शिष्य आचार्यश्री चैत्यसागर जी महाराज ससंघ का पावन वर्षायोग आगरा नगर के ऐतिहासिक अतिशय क्षेत्र पीर कल्याणी नसिया जी पर होना निश्चित हुआ है। 2 जुलाई को आचार्यश्री चैत्य सागर जी महाराज ससंघ का भव्य मंगल प्रवेश मंदिर परिसर में हो चुका हैआगरा दिगंबर जैन परिषद के महामंत्री सुनील ठेकेदार ने पत्रकार को संबोधित करते हुए बताया कि बड़े हर्ष का विषय है कि आचार्यश्री का तीसरा चातुर्मास आगरा नगर में होने जा रहा है। पहला चातुर्मास बेलंनगज जैन मंदिर दूसरा चातुर्मास मोती कटरा बड़ा जैन मंदिर तीसरा चातुर्मास पीर कल्याणी अतिशय क्षेत्र नसिया जी में होने जा रहा है। जिसमें आगरा नगर के सभी जैन धर्मलंबियों के साथ-साथ बाहर के लोग भी उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम संयोजक राजेंद्र कुमार एडवोकेट ने बताया कि मंगल कलश स्थापना में आचार्यश्री का संगीतमय में पूजन एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम पाद प्रक्षालन चित्र अनावरण एवं दीप प्रज्ज्वलन शास्त्र भेंट कार्यक्रम मुख्य होंगे। कार्यक्रम की सभी तैयारियां पूर्ण की जा चुकी हैं।परिषद के अर्थमंत्री राकेश जैन पदेर्वालों ने बताया कि दशलक्षण पर्व में दस दिवसीय विशेष कार्यक्रम होंगे। जिसमें सुगंध दशमी अनंत चौदस पर्व एवं क्षमावणी महापर्व मनाया जाएगा, और श्री इंद्रध्वज महामंडल विधान का आयोजन भी किया जाएगा। मीडिया प्रभारी आशीष जैन ने बताया कि पावन वर्षायोग में चार महीने धार्मिक जैन धर्म की प्रभावना होगी। जिसमें वीर शासन जयंती,गुरु पूर्णिमा महोत्सव,पार्श्वनाथ निर्वाण महोत्सव रक्षाबंधन,स्वतंत्रता दिवस,दशलक्षण पर्व यह कार्यक्रम मुख्य होंगे। इस अवसर पर विजय बैनाड़ा,अनंत कुमार जैन, सहसंयोजक राजेंद्र जैन,सह मीडिया प्रभारी शुभम जैन,पवन जैन,राजेश जैन लालू,अनुज जैन,अशोक जैन एडवोकेट,हुकम जैन सत्येंद्र जैन समस्त चातुर्मास आयोजन समिति के सदस्य मौजूद रहे।

आशीष जैन मोनू, मीडिया प्रभारी

आचार्य 108 सुंदर सागर जी महाराज की सुयोग्य शिष्या सुरम्य मति माताजी ससंघ का आज फागी कस्बे में हुआ भव्य मंगल प्रवेश

फागी. शाबाश इंडिया

कस्बे में आचार्य सुंदर सागर जी महाराज की सुयोग्य शिष्या सुरम्य मति माताजी स संघ का आज माधोराजपुरा कस्बे से विहार करके फागी कस्बे की सीमा में भव्य मंगल प्रवेश हुआ कार्यक्रम में जैन महासभा के प्रतिनिधि राजाबाबू गोधा ने शिरकत करते हुए बताया उक्त संघ में आर्यिका रत्न 105 श्री सुरम्यमति माताजी ,क्षुल्लिका 105 श्री सुतथ्यमति माताजी, क्षुल्लिका 105 श्री सुज्ञाता मति माताजी, ब्र. किरण दीदी, बाल ब्र.कनक दीदी सहित सारा संघ साथ साथ था, उक्त संघ मालपुरा में पावन चातुर्मास 2024 का निष्ठापन करने के बाद सागवाड़ा,बांसवाड़ा होते हुए इंदौर में आचार्य विशुद्ध सागर महाराज के पट्टाधीश कार्यक्रम में शिरकत करने के बाद विभिन्न शहरों, कस्बों में धर्म की प्रभावना बढ़ाता हुआ हुआ कोटा, केकड़ी,टोंक, निवाई, माधोराजपुरा होता हुआ आज फागी कस्बे की सीमा में पहुंचा जहां पर फागी के सारे सकल जैन समाज बैंड बाजों के द्वारा संघ की सामूहिक रूप से जयकारो के साथ भव्य आगवानी की कार्यक्रम में उक्त संघ ने चंद्रपुरी दिगंबर जैन मंदिर में दर्शन कर महाशांति धारा करवाई गोधा ने बताया कि उक्त कार्यक्रम में आर्यिका संघ की शोभा यात्रा में पुरुषों ने सफेद कुर्ता पायजामा, महिलाओं ने लहरिया की साड़ियां, एवं बालिका मंडल की बालिकाओं ने लाल कलर की ड्रेस पहन रखी थी ,बालिका मंडल की बालिकाएं स्कूटियों पर जैन ध्वज लेकर चल रही थी , महिलाएं मंगल कलश लेकर आगे आगे चल रही थी , विभिन्न मंडलों के युवा नाचते, गाते, थिरकते हुए जयकारों के साथ चल रहे थे , कार्यक्रम में सारे फागी नगर को दुल्हन की तरह सजाया गया था एवं मुख्य मार्गों पर 11तोरण द्वार बनाए गए थे एवं सभी घरों के बाहर रंगोलियां बनायी गई थी,जगह जगह गुलाब के फूलों की बरसात के साथ ही आतिशबाजी की गई थी।

ऐतिहासिक आगवानी में मुख्य बाजार में आर्यिका संघ का 51 थालियां में स्टेज पर सारे समाज ने पाद प्रक्षालन कर मंगलमय आशीर्वाद प्राप्त किया तथा कस्बे में जगह जगह समाज के आवासों पर पाद प्रक्षालन कर आरती की गई,संघ को जयकारों के साथ नगर भ्रमण कराते हुए पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर चैत्यालय पर लाया गया जहां पर सौभाग्यवती महिलाओं द्वारा मंगल कलशों से आगवानी की गई तथा पाद प्रक्षालन करने के बाद आरती करके संघ को संत भवन में ठहराया जाएगा, जानकारी पर ज्ञात हुआ कि आर्यिका सुरम्य मति माताजी का जन्म उत्तर प्रदेश के इटावा शहर में हुआ था आपने 2021 में बांसवाड़ा में आचार्य सुन्दर सागर महाराज से दीक्षा लेकर वैराग्य पथ अपनाया, उक्त संघ 10 जुलाई 2025 को फागी कस्बे के पार्श्वनाथ चैताल्य में चतुर्थ पावन चातुर्मास की कलश स्थापना करेगा, जिसमें विभिन्न धार्मिक आयोजनों के साथ पावन चातुर्मास 2025 की स्थापना की जायेगी उक्त कार्यक्रम विधानाचार्य पं.सुरेश .(के) शास्त्री के दिशा निर्देश में विभिन्न मंत्रोच्चारणों के द्वारा संपादित किया जाएगा। कार्यक्रम में आज चित्र अनावरण, दीप प्रज्वलन, पाद प्रक्षालन, एवं मंगलाचरण के बाद धर्म सभा का आयोजन हुआ जिसमें आर्यिका श्री ने कहा कि पावन चातुर्मास में आप सभी को धर्म लाभ प्राप्त करना है। कार्यक्रम में फागी पंचायत समिति के पूर्व प्रधान सुकुमार झंडा एवं अग्रवाल मंदिर समिति के कमलेश चौधरी ने बताया की कार्यक्रम में टोंक, निवाई, रानोली, कठमाना, मालपुरा, माधोराजपुरा, सहित विभिन्न शहरों कस्बों से श्रावक श्राविकाओं ने कार्यक्रम में शामिल होकर सहभागिता निभाई, अग्रवाल मंदिर समिति अध्यक्ष महावीर झंडा ने बताया कि आज शिखर चंद -सुनील कुमार मोदी के यहां आर्यिका सुरम्य मति माताजी की आहार चर्या हुई, कार्यक्रम में फागी थाने के थाना अधिकारी श्री गयासुद्दीन ने आर्यिका संघ की सुरक्षा व्यवस्था में सहभागिता निभाते हुए पुलिस जाप्ता उपलब्ध कराया जिससे आवागमन बाधित नहीं हुआ कार्यक्रम में पारस मोदी एवं सुरेंद्र बावड़ी ने बताया कि कार्यक्रम में मोहनलाल झंडा, कैलाश कलवाड़ा, सोहनलाल झंडा, महावीर जैन कठमाना, नेमीचंद कागला, रामस्वरूप मोदी,केलास कासलीवाल, सोभाग सिंघल, पारस मित्तल, अग्रवाल समाज के अध्यक्ष महावीर झंडा, चंपालाल जैन, सरावगी समाज के अध्यक्ष महावीर अजमेरा, विनोद कलवाड़ा,सत्येंद्र कुमार झंडा, फागी पंचायत समिति के पूर्व प्रधान सुकुमार झंडा, भागचंद कासलीवाल, हनुमान कलवाडा,शिखर मोदी,महावीर मोदी, पवन कागला, पवन गंगवाल, बाबूलाल पहाड़िया, सुनील बजाज, सुरेन्द्र बावड़ी, अशोक कागला, अनिल कठमाना, सुरेंद्र पंसारी, विमल कलवाड़ा, टीकम गिन्दोढी, हरकचंद झंडा, मितेश लदाना, संतोष बजाज, विनोद मोदी, मोनू डेठानी, मुकेश गिंदोढी, त्रिलोक पीपलू, कमलेश मंडावरा, सतीश बावड़ी, कमलेश झंडा, जीतू मोदी, कमलेश चौधरी तथा राजाबाबू गोधा सहित सभी श्रावक श्राविकाएं मोजूद थे।

16 वां जिला स्तरीय जैन प्रतिभा सम्मान समारोह संपन्न

20 छात्र-छात्राएं एवं स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, समाजसेवी हुए सम्मानित

सागर. शाबाश इंडिया

जैन मिलन मकरोनिया क्षेत्र क्रमांक 10 के तत्वावधान में, 16 वां जिला स्तरीय जैन प्रतिभा सम्मान समारोह, का आयोजन रविंद्र भवन सागर में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मा. विधायक शैलेन्द्र जैन जी सागर, माननीय विधायक इंजी. प्रदीप लारिया जी नरयावली, समारोह गौरव महेंद्र जैन जी ग्वालियर राष्ट्रीय महामंत्री संगठन भारतीय जैन मिलन,कार्यक्रम अध्यक्ष अतिवीर कमलेंद्र जैन वरिष्ठ राष्ट्रीय उपाध्यक्ष भारतीय जैन मिलन, विशिष्ट अतिथि श्रीमती ज्योति जैन प्रांतीय अध्यक्ष महिला ईकाई वैश्य महासम्मेलन महासम्मेलन, पूर्व विधायक सुनील जैन जी प्रांतीय अध्यक्ष

अखिल भारतवर्षीय दिगंबर जैन परिषद ,पूर्व सभापति सुदेश जैन गुड्डू भैया, क्षेत्रीय अध्यक्ष अरुण चंदेरिया जी के मार्गदर्शन एवं निर्देशन में सानंद संपन्न हुआ। कार्यक्रम में सबसे पहले अतिथियों द्वारा ध्वजारोहण चित्र अनावरण एवं दीप प्रज्वलन किया गया, इसके पश्चात महावीर प्रार्थना एवं मंगलाचरण के साथ ही सम्मान कार्यक्रम प्रारंभ हुआ। उपस्थित सभी मुख्य अतिथि विशिष्ट अतिथियों राष्ट्रीय एवं क्षेत्रीय पदाधिकारी का सम्मान जैन मिलन मकरोनिया के सदस्यों द्वारा किया गया। स्वागत उपरांत शाखा अध्यक्ष वीर सुरेश जैन द्वारा स्वागत भाषण दिया गया। मुख्य अतिथियों द्वारा मेधावी छात्राओं का एवं स्वतंत्रता संग्राम सेनानीयों पीएससी एवं यूपीएससी में चयनित अधिकारियों का सम्मान किया गया। सभी का सम्मान मोमेंट मेडल प्रमाण पत्र एवं सम्मान पट्टी से किया गया कुल मिलाकर समारोह में 200 प्रतिभावान का सम्मान किया गया। इस कार्यक्रम के पुण्यार्जक वीर दिनेश जैन करापुर ,वीर प्रमोद भायजी, दीपेश अनु श्री किडस वियर ,श्रीमती रीता सुरेश जैन थे। इस जिला स्तरीय प्रतिभा सम्मान समारोह में क्षेत्र क्रमांक 10 के राष्ट्रीय एवं क्षेत्रीय पदाधिकारी के साथ ही शाखों के अध्यक्ष सचिव मंत्री एवं सदस्यों ने भाग लिया सभी उपस्थित मुख्य अतिथियों एवं विशिष्ट अतिथियों द्वारा अपने उद्बोधन में कार्यक्रम की एवं जैन मिलन मकरोनिया की भूरी भूरी प्रशंसा की गई।

वेद ज्ञान

कुंठा के पार

योजनाओं को पूरा करने का स्वप्न अपूर्ण रह जाए तब जिस घुटन, बेचैनी या झुंझलाहट का आगाज होता है, वही कुंठा कहलाती है। स्वप्न देखना मनुष्य की जन्मजात प्रकृति है। प्रायः वह अपनी क्षमता और स्थिति का भली-भांति आकलन किए बगैर चंचल मन के वशीभूत होकर विविध आकांक्षाओं अथवा कपोल-कल्पित योजनाओं को पूरा करने का स्वप्न देखता रहता है। जब किसी व्यक्ति के मन में कुछ पाने की तीव्र उत्कंठा हो, परंतु उसे प्राप्त करने की शक्ति अथवा परिस्थिति न हो अथवा प्रारब्ध आदि कारणों से उसकी इच्छा अपूर्ण रह जाए तब मन के भीतर जिस घुटन, बेचैनी या झुंझलाहट का आगाज होता है, वही कुंठा कहलाती है। यह विफलता के कारण मन में उत्पन्न होने वाली घोर निराशा ही है। अधिकांशतः आर्थिक प्रतिस्पर्धा, मान-सम्मान पाने की अत्यधिक लालसा, परीक्षा में असफलता, युवाओं में प्रेम-प्रसंगों की विफलता आदि असह्य परिस्थितियां हमें कुंठित जीवन जीने के लिए विवश कर देती हैं। शरीर की एड्रीनल ग्रंथियों द्वारा स्रावित एड्रीनलीन हॉर्मोन से तमाम असामान्य लक्षण प्रकट होते हैं। एकांतप्रियता, गुमसुम रहना और नकारात्मक विचारों की प्रधानता व्यक्तित्व को बंधक बना लेती है। अनिद्रा के साथ ही मधुमेह, उच्च रक्त चाप जैसी खतरनाक बीमारियों के सक्रिय होने का खतरा भी बढ़ जाता है। कुंठा की चरमावस्था में आत्महत्या जैसे कुत्सित विचार भी मन को उद्वेलित कर सकते हैं। जीवन प्रकृति की अनुपम भेंट है। गीता में श्रीकृष्ण ने कहा है-तेरा कर्म करने पर ही अधिकार है, उसके फलों पर कभी नहीं। इसलिए लक्ष्य-पूर्ति के लिए किए गए संघर्ष को जीवन की सहज प्रक्रिया मानकर अंगीकार करें और सदैव समझौतावादी दृष्टिकोण अपनाएं। सपनों से नाता न तोड़ें, अन्यथा जीवन नीरस हो जाएगा, परंतु अपनी आकांक्षाओं को सीमित कर क्षमताओं की सीमा का अतिक्रमण कदापि न होने दें। कुंठा जीवन की प्रबल शत्रु है। मनोवैज्ञानिक शोधों से खुलासा हुआ है कि कुंठा से व्यक्ति की उपलब्धियों, गुणों और प्रतिभा का ह्रास होता है। इसलिए हमेशा सकारात्मक सोच रखें और निराशा से बचें। समुचित शारीरिक व्यायाम, पौष्टिक और संतुलित आहार, नियमित व संयमित दिनचर्या और योगाभ्यास को अपनाकर कुंठा से काफी हद तक बचा जा सकता है। साथ ही सैर-सपाटे पर जाएं। प्रकृति के साथ समय बिताएं।

संपादकीय

संघर्ष के कई मोर्चों पर तैयारी की जरूरत

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले के बाद भारत के ह्यआपरेशन सिंदूरह्ल की सफलता ने दुनिया को यह साफ संदेश दिया है कि सीमा पार से आतंकवाद को अब कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। पाकिस्तान भी अब दबी जुबान में यह स्वीकार कर रहा है कि चार दिन के सैन्य संघर्ष के दौरान भारत के लक्षित हमलों से उसे नुकसान झेलना पड़ा है। वह भी ऐसी स्थिति में जब चीन और तुर्किये न केवल कूटनीतिक, बल्कि तकनीकी और

हथियारों की आपूर्ति में भी पाकिस्तान का सहयोग कर रहे थे। इस संघर्ष में चीन और तुर्किये की भूमिका पहले भी उजागर हो चुकी है, लेकिन अब भारतीय सेना के उप प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल राहुल आर सिंह ने खुलासा किया है कि चीन भारतीय सैन्य तैनाती की पाकिस्तान को सीधी जानकारी दे रहा था। यही नहीं, चीन ने पाकिस्तान के चेहरे का इस्तेमाल कर इस संघर्ष को अपने हथियारों के परीक्षण की प्रयोगशाला की तरह लिया। हालांकि, भारतीय सैन्य बलों की जवाबी कार्रवाई ने चीन के इस परीक्षण के नतीजों की सच्चाई भी सबके सामने ला दी है। चीनी हथियारों के हर वार को नाकाम कर भारत ने यह साबित कर दिया है कि उसके सुरक्षा कवच को भेदना इतना आसान नहीं है। मगर, पाकिस्तान को चीन और तुर्किये का साथ मिलने से यह बात भी साफ हो गई है कि भविष्य में भारत के लिए चुनौतियां और बढ़ेंगी, जिनसे निपटने के लिए कई मोर्चों पर तैयारी की जरूरत है। भारत दुनिया में तेजी से उभरती अर्थव्यवस्था है यह बात भी किसी से छिपी नहीं है कि पाकिस्तान और चीन की दोस्ती भारत की वजह से है। दरअसल, भारत दुनिया में तेजी से उभरती अर्थव्यवस्था है और चीन भविष्य की संभावनाओं को लेकर इससे चिंतित है। इसलिए वह कूटनीतिक तरीके से पाकिस्तान को अपने पाले में बनाए रखना चाहता है। संकट के दौरान पाकिस्तान की मदद करने से भी वह पीछे नहीं हटता है। इसके पीछे चीन के अपने निजी स्वार्थ निहित हैं। उधर, तुर्किये भी पाकिस्तान का मददगार बना हुआ है, लेकिन भारत को सीधे तौर पर तुर्किये से कोई खतरा नहीं है। चीन से चुनौती इसलिए है, क्योंकि पाकिस्तान की तरह उसके साथ भी भारत की सीमा लगती है। भारत और चीन को वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) विभाजित करती है और चीन यहां पर घुसपैठ की नाकाम कोशिश करता रहता है। भारतीय सेना के उप प्रमुख के मुताबिक, सात से दस मई के बीच हुए सैन्य संघर्ष के दौरान पाकिस्तान सिर्फ सामने नजर आ रहा था, पर्दे के पीछे चीन और तुर्किये उसे हरसंभव सहायता दे रहे थे। चीन अपने उपग्रहों का उपयोग भारतीय सैन्य तैनाती की निगरानी के लिए कर रहा था। बहरहाल, रक्षा मामलों में चीन और पाकिस्तान को अलग-अलग करके देखना सही नहीं होगा। 'आपरेशन सिंदूर' के बाद यह तस्वीर साफ हो गई है कि चीन और पाकिस्तान ने अपनी रक्षा रणनीतियों में गहरा तालमेल बना लिया है। जब कभी पाकिस्तान से भारत के सैन्य टकराव की स्थिति आएगी, चीन भले ही परोक्ष रूप से, लेकिन उसमें खास भूमिका निभाएगा। ऐसी स्थिति से निपटने के लिए भारत को खुद को तैयार करना होगा। -**राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

मन का मित्र एआई

कृत्रिम बुद्धिमत्ता या आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस या एआई की दुनिया में नित नए शोध और खोज का सिलसिला जारी है। यह किसी खुशखबरी से कम नहीं कि जर्मनी की शोध संस्था हेल्महोल्ट्ज म्यूनिख ने सेंटों नाम के एक ऐसे एआई मॉडल का विकास किया है, जो न केवल इंसानों की तरह सोचता है, बल्कि प्रतिक्रिया भी देता है। अन्य एआई मॉडल से यह इसलिए अलग है, क्योंकि परिचित कामों में इंसानी व्यवहार का अनुमान लगाने के साथ ही यह पूरी तरह से नए हालात में भी इंसानी व्यवहार का आकलन करने में प्रायोगिक रूप से सफल साबित हुआ है। कहा जा सकता है कि यह एक तरह से मनोवैज्ञानिक सिद्धांतों को कृत्रिम बुद्धिमत्ता से जोड़ने का प्रयोग है नेचर पत्रिका में छपे अध्ययन में कहा गया है कि इसे विकसित करने के लिए मनोविज्ञान से जुड़े 160 प्रयोगों का उपयोग किया गया, जिनमें 60,000 लोगों ने कई परिस्थितियों के संदर्भ में एक करोड़ से अधिक विकल्प तैयार किए। यानी, इसएआई मॉडल सेंटों के पास इंसानों द्वारा सोचे जा सकने वाले एक करोड़ से अधिक विचारों का संग्रह है, जिसका विश्लेषण करते हुए यह समाधान पेश कर सकता है। जाहिर है, सेंटों का व्यावहारिक पक्ष काफी कारगर साबित होने वाला है। शोधकर्ताओं की मानें, तो इसका विशेष उपयोग अवसाद से जुड़ी बीमारियों के उपचार में किया जा सकता है। उनके मुताबिक, यह एआई मॉडल स्वास्थ्य अनुसंधान की दिशा में एक नई राह तैयार करता है, जिससे यह समझने में मदद मिल सकती है कि विभिन्न मनोवैज्ञानिक स्थितियों वाले लोग किस तरह फैसले लेते हैं। इससे मनोरोगियों के इलाज में काफी सहायता मिलने की उम्मीद है। डॉक्टर मार्सेल विंस और डॉ एरिक शुल्ज के नेतृत्व में शोधकर्ताओं की टीम पूरी तरह आश्वस्त है और उनका अनुमान है कि आने वाले दिनों में इसका उपयोग यह पता लगाने में भी किया जाएगा कि स्वस्थ व्यक्तियों और मनोरोगियों में फैसले लेने की आंतरिक दिमागी रणनीति किस कदर अलग होती है? यह प्रयोग जब आगे बढ़ेगा, तब मानव अनुभूति की हमारी समझ और बेहतर हो सकेगी। अगर इस तरह के मॉडल विकसित होते हैं, तो भारत जैसे देशों के वे काफी काम आ सकते हैं। अनुमान है कि अपने देश में करीब 19.73 करोड़ लोग किसी-न-किसी मनोरोग से जूझ रहे हैं। विडंबना है कि ज्यादातर आवादी की पहुंच मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं तक नहीं है। आमलोगों तक मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं को पहुंचाने के लिहाज से 1982 में राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम की शुरूआत जरूर की गई, लेकिन इसे मनमाफिक सफलता नहीं मिल सकी है। भारतीय समाज में मनोरोगियों को आज भी अच्छी नजरों से नहीं देखा जाता है। जागरूकता का इस कदर अभाव है कि कई इलाकों में मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं से जूझने वाले लोग सामाजिक कलंक और भेदभाव से पीड़ित रहते हैं। नतीजतन, अपने यहां मानसिक बीमारियों को भरसक छिपाने की कोशिश होती है। पढ़े-लिखे तबके तक में इसको लेकर उदासीनता पसरी हुई है। ऐसी सूरत में, नई तकनीकें हमारे काफी काम आ सकती हैं। सेंटों जैसे एआई मॉडल मनोरोगियों के दिमागी संतुलन या उनकी सोचने-समझने की क्षमता का आकलन कर उनके इलाज में मदद कर सकेंगे। चिकित्सा जगत में सेंटों जैसे एआई मॉडलों की बड़ी जरूरत है और उनका समय के साथ कारगर होते चले जाना मानवता के विकास के लिए बहुत जरूरी है।

दिगंबर जैन मंदिर, गुमास्ता नगर में चातुर्मास मंगल कलश स्थापना

राजेश जैन दद्दू. शाबाश इंडिया

इंदौर। गुमास्ता नगर स्थित दिगंबर जैन मंदिर में आज चातुर्मास मंगल कलश की स्थापना अत्यंत भक्तिभाव और उत्साह के साथ संपन्न हुई । धर्म समाज प्रचारक राजेश जैन दद्दू ने बताया कि यह कार्यक्रम तीन महान आचार्य श्री विशद सागर जी, आचार्य श्री विभव सागर जी, और आचार्य श्री विप्रणत सागर जी महाराज सहित लगभग 26 मुनि एवं आर्यिका माताजी संसघ के सानिध्य में सानंद संपन्न हुआ। इस ऐतिहासिक पल के साक्षी बनने के लिए सुदामनगर, जैन कॉलोनी, परदेशीपुरा, बीस पंथी मंदिर, मोदी जी की नसिया, नरसिंहपुरा जिनालय सहित विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में धर्मावलंबी, समाज जन एवं सामाजिक संसद पदाधिकारी, पुलक मंच के सदस्य और सोशल ग्रुप फेडरेशन के सदस्य उपस्थित थे। चातुर्मास कलश स्थापना में प्रथम कलश स्थापित करने का परम सौभाग्य श्री निलेश रमणलाल कोठारी परिवार को प्राप्त हुआ। द्वितीय कलश श्रीमती सुनीता पीयूष बड़जात्या, सेठिया परिवार, प्रतिपाल कुसुम टोंग्या और विनय चौधरी परिवार को प्राप्त हुआ। 51 सामान्य कलश भी सदस्यों द्वारा स्थापित किए गए। समाजसेवी व आयोजक श्री प्रतिपाल टोंग्या ने बताया कि यह चातुर्मास जैन समाज के लिए आत्मिक उन्नति और धार्मिक अनुष्ठानों का एक महान अवसर है।

छीपीटोला की धरा पर हुआ मुनिसंघ का ऐतिहासिक मंगल प्रवेश

आगरा. शाबाश इंडिया

दिगंबर जैन परिषद एवं सकल दिगंबर जैन समाज छीपीटोला के तत्वावधान में समाधिस्थ आचार्यश्री विद्यासागर जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य श्रमण मुनिश्री सौम्यसागर जी महाराज एवं मुनिश्री निश्चलसागर जी महाराज ससंघ का छीपीटोला की धरा पर पावन वर्षायोग होने जा रहा है। जिसके लिए मुनिसंघ ने 7 जुलाई की सुबह नॉर्थ ईदगाह कॉलोनी जैन मंदिर से विशाल शोभायात्रा के साथ मंगल विहार कर चातुर्मास स्थल श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन बडा.मंदिर छीपीटोला में भव्य मंगल प्रवेश किया।जहां छीपीटोला की समग्र जैन समाज ने बड़ी संख्या में सहभागिता कर बैंड बाजों की करतल ध्वनि के बीच मुनिसंघ का भव्य स्वागत किया । मुनिसंघ के मंगल स्वागत और अभिनंदन को महिलाओं बालिकाओं एवं पुरुषों का हुजूम छीपीटोला की सड़कों पर उपस्थित था और पूरे उल्लास के साथ भक्तों ने छीपीटोला के श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन बड़ा मन्दिर में मुनिसंघ का मंगल अगमन करवाया।मुनिश्री ने सभी प्रतिमाओं के दर्शन कर जगत कल्याण की भावना भायी,सौभाग्यशाली भक्तों ने चित्र अनावरण एवं दीप प्रज्ज्वलन किया और साथ ही मुनिश्री का पाद प्रक्षालन कर मंगल आशीर्वाद प्राप्त किया। जिसके बाद भक्तों ने अष्ट द्रव्यों के साथ समाधिस्थ आचार्यश्री विद्यासागर जी महाराज का संगीतमय पूजन किया। इस अवसर पर मनोज जैन बल्लो,मुरारीलाल जैन,अक्षय जैन,प्रवेश जैन,संजीव जैन,राजीव जैन,सत्येंद्र जैन साहूला,दीपक जैन, अनिल जैन,अभिषेक जैन,राजीव जैन,हेंमत जैन,शुभम जैन,समस्त छीपीटोला जैन समाज के लोग एवं नमोस्तु शासन संघ एवं एनसीसी क्लब के सदस्य मौजूद रहे। **रिपोर्ट : शुभम जैन**

दिव्या युवा मंच का अंतरराष्ट्रीय युवा विकास सम्मेलन-4 सम्पन्न

चार दिवसीय कार्यक्रम में 7 देशों के समाजसेवियो ने संयुक्त राष्ट्र संघ के सतत विकास लक्ष्यो पर की चर्चा

रमेश भार्गव. शाबाश इंडिया

ऐलनाबाद। अंतरराष्ट्रीय समाजसेवी संस्था दिव्या युवा मंच के तत्वाधान में यहां के एक निजी होटल में चल रहा चार दिवसीय अंतरराष्ट्रीय युवा विकास सम्मेलन आज धूमधाम से सम्पन्न हो गया। यह जानकारी देते हुए दिव्या युवा मंच के संस्थापक व अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार विजेता सुभाष चौहान ने बताया कि इस कार्यक्रम में भारत के 18 विभिन्न राज्यों के अलावा जॉर्जिया, अफगानिस्तान, नेपाल, श्रीलंका, लाइबेरिया, नाइजीरिया सहित अन्य कई जगहों से युवा कार्यकर्ताओ ने अपने अपने क्षेत्र में किये जा रहे समाजसेवी कार्यों के बारे मे जानकारी दी। इनमें देश विदेश के कई ख्यातिनाम वक्ता भी शामिल हुए। कार्यक्रम का उदघाटन सिरसा की पूर्व सांसद व भाजपा राष्ट्रीय कार्यकारिणी की सदस्य सुनीता दुग्गल ने किया। उनके साथ भाजपा की पूर्व जिलाध्यक्ष निताशा सिहाग, विनोद नागर, रवि लढ़ा व अन्य लोग भी थे। दुग्गल ने अपने संबोधन में दिव्या युवा मंच द्वारा किये जा रहे आयोजन की सराहना की। उन्होंने कहा कि अंतरिक्ष के एकमात्र ग्रह केवल पृथ्वी पर ही जीवन संभव है। लेकिन जिस प्रकार से हमारी पृथ्वी पर पर्यावरण असंतुलन बढ़ता जा रहा है, उससे आगामी 10-20 साल बाद यही पृथ्वी प्राणियों के रहने लायक नही रहेगी और यहां का जीवन संकट में पड़ जाएगा। इसलिए संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा पृथ्वी पर जीवन को बचाने व पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए निर्धारित किये गए सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए निरंतर प्रयास जरूरी है। उन्होंने कहा कि अगली बार इस कार्यक्रम को वर्ल्ड यूथ पार्लियामेंट के रूप में आयोजित किया जाए तो वे भी अपना पूर्ण सहयोग करेगी। इस गंभीर वैश्विक समस्या पर चिंतन मंथन से अलावा सभी डेलिगेट्स ने पहले दिन सुबह शहर के अटल पार्क में जाकर योगाभ्यास किया जहां योगगुरु हेमराज सपरा, नीरज कटारिया, गीता बेनीवाल, नीतू वरिया ने उन्हें योग के गुर सिखाये।

जैन सोशल ग्रुप ''संस्कार'' उदयपुर द्वारा पर्यावरण जागरूकता संदेश के साथ भव्य कार रैली एवं वृक्षारोपण

उदयपुर. शाबाश इंडिया

पर्यावरण संरक्षण के प्रति सामाजिक जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से जैन सोशल ग्रुप ''संस्कार'', उदयपुर द्वारा भव्य कार रैली का आयोजन किया गया। इस रैली को मेवाड़ रीजन के सचिव आशुतोष सिसोदिया, ग्रुप के संस्थापक अध्यक्ष प्रकाश चन्द्र कोठारी, अध्यक्ष डॉ प्रमिला जैन व सचिव जितेंद्र धाकड़ ने जैन ध्वज दिखाकर महावीर साधना एवं स्वाध्याय समिति से मेवाड़ रिसोर्ट के लिए रवाना किया। रैली में कुल 32 कारों ने भाग लिया, जिन्हें पर्यावरण संरक्षण से जुड़े प्रेरणादायक स्लोगनों और हरित संदेशों से सजाया गया था। रैली प्रमुख मार्गों से होकर राहगीरों को प्रकृति प्रेम और हरियाली का संदेश देते हुए मेवाड़ रिजॉर्ट पहुंची । रैली संयोजक के रूप में राजेश सामर, महेन्द्र सहलोत, बंकेश सोनी एवं प्रकाश चंद्र डूंगरवाल ने समर्पण व संगठन के साथ पूरे आयोजन को सफल बनाया। इस अवसर पर अध्यक्ष डॉ. प्रमिला जैन ने कहा 'पर्यावरण संरक्षण आज समय की माँग है। जागरूकता ही परिवर्तन की पहली सीढ़ी है। हमारी यह रैली इसी दिशा में एक छोटा किंतु सार्थक प्रयास है।' यह रैली समूह की प्रतिबद्धता को दर्शाती है कि ''संस्कार केवल परंपरा नहीं, बल्कि सामाजिक उत्तरदायित्व का जीवंत उदाहरण है।'' उन्होंने उपस्थित सदस्यों को अपने जन्मदिन पर एक-एक

पेड़ लगाने की शपथ दिलाई। खेलकूद और मनोरंजन के साथ मेवाड़ रिसोर्ट में शानदार पिकनिक का आयोजन किया गया जिसमें सदस्यों ने उत्साह से भाग लिया। गेम्स के संयोजक रौनक-नेहा कोठारी और मनीष-किरण पोखरना ने सदस्यों को रोचक और मनोरंजक गेम्स खेलाए। विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। पिकनिक का मुख्य आकर्षण स्विमिंग पूल में आयोजित अन्त्याक्षरी का खेल रहा, जिसमें सदस्यों ने खूब उत्साह और उमंग के साथ भाग लिया। सांस्कृतिक कार्यक्रम में हास्य कवि डाड़म चंद डाड़म और ग्रुप अध्यक्ष डॉ. प्रमिला जैन ने अपनी हास्य प्रस्तुतियों से सभी को गुदगुदाया। रियांशि वर्डिया ने नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति दी। कार्यक्रम का सफल संचालन सांस्कृतिक सचिव चंद्र कांता मेहता ने किया। मेवाड़ रिजॉर्ट के नन्दलाल सेठिया एवं दिनेश सेठिया परिवार का का सम्मान किया। काया जैन मंदिर प्रांगण में फलदार और औषधीय पौधों का वृक्षारोपण किया गया। इस अवसर पर ग्रुप सदस्यों द्वारा मंदिर में भक्ति गीतों का आयोजन भी किया गया। दिन भर चले कार्यक्रमों में ग्रुप अध्यक्ष डॉ. प्रमिला जैन के साथ संस्थापक अध्यक्ष श्री प्रकाश चंद्र कोठारी, सचिव श्री जितेन्द्र धाकड़, सह-सचिव राजेश सामर, उपाध्यक्ष विनोद लसोड़, कोषाध्यक्ष किरण पोखरना,मनीष पोखरना, हिम्मत जैन की विशेष भूमिका रही।182 सदस्यों की गरिमामई उपस्थिति में कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

पर्यावरण सेवा माह में दिगंबर जैन सोशल ग्रुप जयपुर मेंन द्वारा वृक्षारोपण कार्यक्रम किया गया

जयपुर. शाबाश इंडिया। भटारक जी की नसियां में दिगंबर जैन सोशल ग्रुप जयपुर मेंन के द्वारा वृक्षारोपण कार्यक्रम किया गया जिसके अंतर्गत 21 पौधों का पौधारोपण किया गया। आज इस कार्यक्रम में ग्रुप के अध्यक्ष धनु कुमार जैन, मंत्री हीराचंद वेद , कोषाध्यक्ष प्रदीप कुमार पाटनी, णमोकार बाबूलाल जैन, वीर कुमार, ज्ञान सेठी, राजेंद्र कुमार पपड़ीवाला, डॉ अनिल कुमार जैन, श्रीमती इंदु जैन श्रीमती चंदा जैन, श्रीमती हेमलता जैन सम्मिलित हुए। डॉ राजेन्द्र कुमार जैन ने बताया कि गत वर्ष इसी कार्यक्रम के अंतर्गत में नसिया जी में वर्षारोपणका कार्यक्रम किया गया था, उसके अंतर्गत लगाएंगे वृक्ष आज बड़े आकार के हो गए हैं उनको देखकर उपस्थित सभी मेंबर्स को बहुत प्रसन्नता महसूस हुई।

विशाल रक्तदान एवं निशुल्क चिकित्सा शिविर के पोस्टर का महापौर द्वारा विमोचन

जयपुर. शाबाश इंडिया

चांदवाड़ परिवार, जयपुर द्वारा आगामी 27 जुलाई, रविवार को महावीर स्कूल, परिसर, सी - स्कीम, जयपुर मे आयोजित मानव सेवार्थ विशाल रक्तदान एवं निःशुल्क चिकित्सा शिविर के पोस्टर का विमोचन नगर निगम ग्रेटर जयपुर की महापौर डॉ सौम्या गुजर द्वारा पोस्टर का विमोचन किया गया एवं कैंप के सफल आयोजन के लिए मंगल शुभकामनाएं प्रदान की। शिविर के मुख्य संयोजक विशुतोष चाँदवाड़ एवं हर्षल चाँदवाड़ ने बताया कि इस पुनीत कार्यक्रम की महापौर ने सम्पूर्ण जानकारी प्राप्त की इस पुनीत कार्य मे परिवार के प्रदीप, प्रद्युम्न चाँदवाड़ इस अवसर पर मौजूद थे।

जैन धर्म में पानी छानने की विधि बताते हुए महत्व बताया, प्रतियोगिता आयोजित कर सम्पूर्ण जानकारी दी

सौरभ जैन. शाबाश इंडिया

पिड़ावा। नगर के खंडपुरा में स्थित जूना मंदिर नवीन जिनालय में श्री चिन्मय मति माताजी ससंघ का के सानिध्य में जल छानने की प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जैन धर्म बड़ा अनमोल है क्योंकि मात्र यही धर्म है जिसमे एक इन्द्रिय जीवो से लेकर पंच इंद्रिय जीवो की रक्षा की जाती है। इन्ही जीवो की रक्षा हेतु हम नित प्रतिदिन रोज ना जाने कितनी ही

बार हम इनको अनदेखा करते है इसी क्रम में जल छानने की विधि गुरुमा चिन्मय मति माताजी द्वारा बताई गई। जल को किस प्रकार गन्ने से छाना जाता है और किस प्रकार गन्ने की जीवाणी की जाती है। जिससे सारे जीव बच जाए और उनका दोष भी नही लगे। नवीन जिनालय खंडपुरा में माताजी द्वारा बहुत ही मार्मिक तरीके बताया कि जैन धर्म में पानी छानने का अत्यधिक महत्व है। जिसे जलगालन क्रिया कहते हैं। इसका मुख्य कारण यह है कि जैन धर्म अहिंसा के सिद्धांत का पालन करता है, और पानी में मौजूद सूक्ष्म जीवों की रक्षा करना भी इसी का एक हिस्सा है। पानी में असंख्य सूक्ष्म जीव होते हैं, जिन्हें हम अपनी नग्न आंखों से नहीं देख सकते हैं। बिना छाना हुआ पानी पीने से, अनजाने में ही इन जीवों की हत्या हो जाती है, जो जैन धर्म के अहिंसा सिद्धांत के विरुद्ध है। इसलिए, पानी को छानकर पीने से इन जीवों की रक्षा होती है और अहिंसा का पालन होता है।

जैन धर्म में पानी छानने की विधि

पानी छानने की विधि में पानी को एक मोटे कपड़े से छाना जाता है। जिससे सूक्ष्म जीव कपड़े के ऊपर रह जाते हैं और पानी शुद्ध हो जाता है। इसके बाद, कपड़े पर बचे हुए जीवों को वापस पानी के स्रोत में डाल दिया जाता है, ताकि वे अपने प्राकृतिक आवास में वापस जा सकें। इस प्रक्रिया को रजीवानीर कहा जाता है। जैन धर्म में पानी छानने की यह विधि न केवल अहिंसा के सिद्धांत का पालन करने में मदद करती है, बल्कि यह पानी को शुद्ध करके स्वास्थ्य के लिए भी फायदेमंद है।

विशाल रक्तदान एवं निशुल्क चिकित्सा शिविर के पोस्टर का महापौर द्वारा विमोचन

जयपुर. शाबाश इंडिया

चाँदवाड़ परिवार, जयपुर द्वारा आगामी 27 जुलाई, रविवार को महावीर स्कूल, परिसर, सी - स्कीम, जयपुर मे आयोजित मानव सेवार्थ विशाल रक्तदान एवं निःशुल्क चिकित्सा शिविर के पोस्टर का विमोचन नगर निगम ग्रेटर जयपुर की महापौर डॉ सौम्या गुजर द्वारा पोस्टर का विमोचन किया गया एवं कैंप के सफल आयोजन के लिए मंगल शुभकामनाएं प्रदान की। शिविर के मुख्य संयोजक विशुतोष चाँदवाड़ एवं हर्षल चाँदवाड़ ने बताया कि इस पुनीत कार्यक्रम की महापौर ने सम्पूर्ण जानकारी प्राप्त की इस पुनीत कार्य मे परिवार के प्रदीप, प्रद्युम्न चाँदवाड़ इस अवसर पर मौजूद थे।

आचार्य सुनील सागर महाराज को श्रीफल अर्पण करने धावास जैन समाजबंधु जाएंगे अहमदाबाद

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगम्बर जैन आचार्य आदिसागर अंकलीकर परम्परा के चतुर्थ पट्टाधीश आचार्य श्री 108 सुनील सागर महाराज के दर्शनार्थ एवं वर्ष 2027 में धावास जैन मंदिर के पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महामहोत्सव को आयोजित कराने के साथ ही धावास जैन मंदिर, जयपुर में चातुर्मास हेतु प्रवास के लिए निवेदन एवं आग्रह करने गुरु भक्त और मंदिर प्रबंध समिति के परम संरक्षक गजेंद्र-प्रवीण-विकास बड़जात्या (कामां वाले) के नेतृत्व में धावास जैन समाज का 40 सदस्यीय दल अहमदाबाद के लिए बुधवार को रवाना होगा। प्रबंध समिति संरक्षक एवं मंदिर निर्माण समिति संयोजक जयकुमार जैन-बड़जात्या (सीकर वाले) ने अवगत कराया कि गुरु पूर्णिमा के दिन गुजरात के अहमदाबाद में चातुर्मासरत पूज्य आचार्य ससंघ के दर्शन के साथ ही धावास जैन मंदिर की योजनाओं की बुकलेट का विमोचन भी इस अवसर पर करवाया जाएगा। प्रबंध समिति अध्यक्ष सुरेंद्र बैद एवं कोषाध्यक्ष हैमेन्द्र लुहाड़िया ने बताया कि धावास जैन मंदिर की प्रमुख प्रेरणास्रोत पूज्य क्षुल्लिका श्री 105 संभावमती माताजी के दर्शनार्थ एवं आशीर्वाद लेने हेतु धावास जैन समाज के सदस्य मार्ग में खैरवाड़ा में रुकेंगे। मंदिर समिति के मंत्री मितेश ठोलिया एवं उपाध्यक्ष प्रमोद काला ने बताया कि अहमदाबाद यात्रा की सुचारू व्यवस्था के लिए सह मंत्री मनोज जैन-पचेवर एवं नरेन्द्र गोधा सहित हैमेन्द्र लुहाड़िया को संयोजक नियुक्त किया गया है। सह कोषाध्यक्ष आशीष छाबड़ा ने बताया कि इस अवसर पर कार्यकारिणी सदस्य सीमा-मनोज बड़जात्या एवं रीटा-देवेन्द्र जैन के नेतृत्व में बड़ी संख्या में महिलाएं भी अहमदाबाद के लिए जा रही है। मंदिर कार्यकारिणी सदस्य हेमराज जैन एवं धावास जैन समाज के वरिष्ठ सदस्य सी.ए. धर्मेन्द्र जैन ने बताया कि आर्किटेक्ट संजय जैन के निर्देशन एवं निर्माण संयोजक जयकुमार जैन-बड़जात्या के संयोजकत्व में मंदिर का निर्माण कार्य तीव्र गति से चल रहा है।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com | weeklyshabaas@gmail.com

विद्यालय प्रांगण में पौधारोपण कर सुरक्षा की ली शपथ

विद्यार्थियों को जियो टैग की दी जानकारी

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया। महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय (अंग्रेजी माध्यम)रायपुर कार्यवाहक संस्था प्रधान नवीन कुमार बाबेल,ने बताया कि विद्यालय प्रांगण में पर्यावरण शुद्धि को बढ़ावा देते हुए वृक्षारोपण किया गया जियो टैग किया गया साथ ही पौधे के देखभाल की शपथ भी ली गई। शिक्षक रवि कुमार टेलर द्वारा विद्यार्थियों को वृक्षारोपण हेतु आवश्यक निर्देश व पवन काबरा द्वारा जियो टैग करने का प्रोसेस बताया गया। ज्ञात रहे शिक्षक बाबेल ने 850 पौधे अपने जन्मदिन पर विद्यालय को भेट किए थे। विद्यार्थियों को अपनी देखरेख में पौधारोपण करने हेतु पौधे वितरित किए गए।इस अवसर पर एसएमसी अध्यक्ष नारायण लाल कुमावत रतन माली कार्यवाहक संस्था प्रधान नवीन कुमार बाबेल,शिक्षक कैलाश रावल,जयप्रकाश ओझा, पवन काबरा,रवि कुमार टेलर, सीमा कुमारी मंडोवरा, रतन कुमारी जाट, आदि उपस्थित थे।

महावीर नगर जयपुर में HDFC बैंक ने जयपुर में अपनी 126 वी शाखा खोली

जयपुर। HDFC बैंक ने शुक्रवार को महावीर नगर में जयपुर की अपनी 126 वी शाखा का उद्घाटन पूर्व सासंद रामचरण वोहरा व महावीर नगर जैन मदिर के अध्यक्ष हरीश धाडुका ने फीता काटकर किया। इस अवसर पर ब्रांच बैंकिंग हेड प्रतीक शर्मा, जोनल हेड विजय माहेश्वरी, क्लस्टर हेड नेहा सिंह सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे। इस अवसर पर पूर्व सांसद रामचरण वोहरा ने कहा की HDFC बैंक आज अपने ग्राहकों की पहली पसन्द इसलिए बना की बैंक की सर्विसेज,लोन,और सुविधा,को बैंक ने सभी ग्राहक को समय समय पर उपलब्ध करता हैं। महावीर नगर जैन मंदिर कमेटी अध्यक्ष ने ब्रांच हेड चारू राजपूत और स्टाफ को बधाई देते हुये कहा की आज के समय में सभी लोग अपना बैंक अपने घर के पास होने से बैंक में मिलने वाली सभी सुविधा लेना चाहते हे बैंक की ब्रांच हेड चारु राजपूत ने सभी अतिथियों का स्वागत व आभार व्यक्त किया।

टोंक में पंचम पट्टाधीश आचार्य श्री 108 वर्धमान सागर जी महाराज ससंघ का ऐतिहासिक मंगल प्रवेश

टोंक. शाबाश इंडिया

बीसवीं सदी के प्रथमाचार्य चारित्र चक्रवर्ती आचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज की अक्षुण्ण परंपरा के पंचम पट्टाधीश वात्सल्य वारिधि आचार्य श्री 108 वर्धमान सागर जी महाराज ससंघ का वर्षायोग 2025 हेतु सोमवार को टोंक नगरी में भव्यातिभव्य ऐतिहासिक मंगल प्रवेश हुआ। भुगर्भ से प्रकटित 65 जिनबिंबों की अतिशयकारी नगरी भगवान आदिनाथ की इस पावन भूमि पर 55 वर्षों की प्रतीक्षा के उपरांत प्रभु चरणों का स्पर्श होने से नगर का कण-कण पुलकित हुआ। सुबह 7 बजे से ही टोंक एवं आसपास के क्षेत्रों से हजारों श्रद्धालु स्वागत हेतु उमड़ पड़े। टोंक के मुख्य द्वार पर भव्य तोरण द्वार एवं जगह-जगह स्वागत द्वार बनाए गए। जयकारों के बीच 7:15 बजे आचार्य श्री ने ससंघ नगर सीमा में प्रवेश किया। जिला कलेक्टर श्रीमती कल्पना अग्रवाल, जिला पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान, जिला प्रमुख श्रीमती सरोज बंसल, पूर्व नगर परिषद सभापति श्रीमती लक्ष्मी देवी जैन, युवा नेता विनायक जैन, नरेश बंसल सहित बड़ी संख्या में समाजबंधु उपस्थित रहे। प्रवेश द्वार पर आचार्य श्री का पाद प्रक्षालन हुआ। इसके उपरांत घोड़ों, ऊंटों, बैंड-बाजों, कलश यात्रा व श्रद्धालुओं के जयकारों के साथ शोभायात्रा जैन नसिया मंदिर

पहुंची। वहां मन्दिर में दर्शन पश्चात श्री संघ मंचासीन हुआ। धर्मसभा का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं चित्र अनावरण से हुआ। मंच संचालन विकास अतार व कमल सर्राफ ने किया। विनोद सर्राफ, हेमराज नमक वाले (निवाई), रचना टोरड़ी एवं अंजना मंडावर ने मंगलाचरण प्रस्तुत किया। आचार्य श्री का पाद प्रक्षालन श्रेष्ठी सौरभ कुमार आंडरा, जंबू कुमार आंडरा, टोनी कुमार आंडरा शुभ कुमार परिवार द्वारा किया गया। शास्त्र भेंट श्रेष्ठी महावीर प्रसाद पासरोटिया, धर्मेंद्र कुमार पासरोटिया, जितेंद्र कुमार पासरोटिया, अविकांश कुमार पासरोटिया परिवार द्वारा किया गया। चातुर्मास प्रबंध समिति की ओर से श्रीफल भेंट कर चातुर्मास की स्वीकृति प्राप्त की गई। अपने मंगल संदेश में आचार्य श्री ने कहा– संयम और भक्ति से जीवन सार्थक होता है। गुरु का आशीर्वाद शिष्य को संकल्प और साधना की शक्ति देता है। उन्होंने स्मरण किया कि सन 1970 में वे अपने दीक्षा गुरु आचार्य धर्म सागर जी के साथ चातुर्मास में टोंक पधारे थे। धर्मसभा में आचार्य श्री अजित सागर जी का भी गुणानुवाद किया गया। इस ऐतिहासिक अवसर पर गज्जू भैया, प्रमित जैन, तारा देवी सेठी का विशेष अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम में हजारों श्रद्धालु जयपुर, किशनगढ़, कोटा, निवाई, लावा, डिग्गी, टोडा, देवली, पिपलु, उनियारा, इचलकरंजी, धरियावद, सनावद, जोबनेर, इंदौर सहित अनेक स्थानों से उपस्थित हुए। नगर के युवाओं, समिति और समाजजनों के अद्भुत समर्पण से यह मंगल प्रवेश स्मरणीय बन गया। 55 वर्षों का विहार आपका, दिग्विजय सा लगता है जहां पहुंच जाते हैं गुरुवर, समवसरण वहीं लगता है। तेरी चर्या से गुंजित गर्जित, गर्वित हो गया गगन, शांति सिंधु के ध्वजवाहक तुमको शत-शत नमन। इस मौके पर समाज के अध्यक्ष पदमचंद आंडरा, मंत्री महावीर प्रसाद देवली, उपाध्यक्ष नरेंद्र कुमार फागी, चातुर्मास व्यवस्था समिति के अध्यक्ष भागचंद फुलेरा कार्यवाहक अध्यक्ष धर्मचंद दाखियाँ, सहमंत्री पप्पू नमक, उपाध्यक्ष राजेश बोरदा, कोषाध्यक्ष लालचंद फुलेता, अशोक झराना, अनिल आड़रा, अनिल सर्राफ, प्रवक्ता पवन कंटान, विकास जागीरदार, कमल सर्राफ,मनीष अत्तार, अर्पित पासरोटिया, नीटू छामुनिया आदि समाज के लोग उपस्थित थे।

महासाध्वी कुमुदलताजी म.सा. आदि ठाणा का चातुर्मासिक मंगल प्रवेश कल, धर्मनगरी भीलवाड़ा प्रवाहित होगी जिनवाणी की गंगा

मंगल प्रवेश समारोह में राज्यपाल बागड़े मुख्य अतिथि, विजयवर्गीय, राठौड़,दक सहित कई जनप्रतिनिधि होंगे शामिल

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया। धर्मनगरी भीलवाड़ा में आध्यात्मिक चातुर्मास आयोजन समिति सुभाषनगर के तत्वावधान में चातुर्मास करने जा रहे श्रमण संघीय जैन दिवाकरीय मालव सिंहनी पूज्या श्री कमलावतीजी म.सा. की सुशिष्या अनुष्ठान आराधिका पूज्य महासाध्वी डॉ. श्री कुमुदलताजी म.सा. आदि ठाणा 4 का चातुर्मासिक मंगल प्रवेश मंगलवार को होगा। इससे जुड़ी तैयारियां पूरी कर ली गई है। वर्ष 2012 के बाद फिर से भीलवाड़ा चातुर्मास करने जा रहे महासाध्वी मण्डल के स्वागत अभिनंदन को शहर के हर धर्म व समाज से जुड़े लोग आतुर है। चातुर्मासिक मंगलप्रवेश कार्यक्रम में शामिल होने के लिए देश-विदेश के विभिन्न क्षेत्रों से श्रावक-श्राविकाएं यहां पहुंच रहे है। अनुष्ठान आराधिका महासाध्वी कुमुदलताजी म.सा.,स्वर साम्राज्ञी महासाध्वी महाप्रज्ञाजी म.सा., वास्तुशिल्पी साध्वी पद्मकीर्तिजी म.सा.,विद्याभिलाषी साध्वी राजकीर्तिजी म.सा. आदि ठाणा का मंगल कलश प्रवेश यात्रा सुबह 9 बजे आरसी व्यास कॉलोनी में शिवाजी गार्डन के पास स्थित सुनीलकुमार सुराणा के निवास से शुरू होगी। यहां से प्रवेश यात्रा चातुर्मास स्थल सुभाषनगर जैन स्थानक पहुंच सम्पन्न होगी। महिलाएं चुंदड़ में सिर पर कलश धारण करके चलेगी ओर पुरूषों के लिए श्वेत वस्त्र ड्रेस कोड रहेगी। मंगल कलश प्रवेश यात्रा के बाद मंगल प्रवेश कार्यक्रम आरसी व्यास कॉलोनी में गेट नंबर 33 के पास स्थित धांधोलाई स्कूल ग्राउण्ड में होगा। इसके लिए विशाल वाटरप्रूफ पांडाल तैयार किया गया है। चातुर्मास समिति के अध्यक्ष दौलतमल भड़कत्या ने बताया कि महासाध्वी मण्डल के सानिध्य में मंगल प्रवेश कार्यक्रम में राजस्थान के राज्यपाल हरिभाउ बागड़े, मध्यप्रदेश सरकार में मंत्री कैलाश विजयवर्गीय,राजस्थान के सहकारिता मंत्री गौतम दक, भाजपा के राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी सहित कई जनप्रतिनिधि एवं समाज के वरिष्टजन शामिल होंगे। चातुर्मास समिति के मंत्री राजेन्द्र सुराना ने बताया कि चातुर्मासिक मंगल प्रवेश कार्यक्रम में मौजूद रहने वाले हजारों श्रावक-श्राविकाओं को किसी प्रकार की परेशानी नहीं आए इसके लिए आयोजन स्थल पर व्यापक तैयारियां कर ली गई है। राज्यपाल सहित कई विशिष्टजनों के आगमन के दृष्टिगत प्रशासन एवं पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों ने भी सोमवार को कार्यक्रम स्थल पर पहुंच तैयारियों का जायजा लिया। चातुर्मास समिति के संयोजक महावीरसिंह चौधरी, चन्द्रसिंह कोठारी,समिति के अध्यक्ष दौलतमल भड़कत्या, सचिव राजेन्द्र सुराना, सुभाषनगर श्रीसंघ के अध्यक्ष हेमन्त कोठारी,मंत्री बंशीलाल बोहरा सहित सभी पदाधिकारियों ने श्रावक-श्राविकाओं से अधिकाधिक संख्या में मंगल प्रवेश कलश यात्रा एवं प्रवेश कार्यक्रम में शामिल होने का आग्रह किया है। मंगल प्रवेश तैयारियों को लेकर सोमवार को भी विभिन्न समितियों के संयोजक मदनलाल सिपानी, राजेन्द्रसिंह चण्डालिया, प्रकाश सूरिया, प्रदीप सांखला,प्रदीप चौधरी, अनिल कोठारी, सुरेन्द्र मेहता, दिनेश डांगी, संग्रामसिंह आंचलिया,हेमन्त बाबेल,हनुमान गोखरू,प्रदीप पारख, पीयूष खमेसरा, मनीष सेठी, आशीष भड़कत्या, निर्मला भड़कत्या,लीला कोठारी, राखी खमेसरा,सुमित्रा बोथरा,लाड़जी मेहता,किरण सेठी आदि तैयारियों में जुटे रहे।

महासाध्वी मण्डल पहुंचा सुराणा निवास पर

महासाध्वी डॉ. कुमुदलताजी म.सा. आदि ठाणा सोमवार सुबह आरसी व्यास कॉलोनी में अभिषेक सोनी के निवास से विहार कर शिवाजी पार्क के पास स्थित सीए सुनील सुराणा के निवास पर पहुंच गए। महासाध्वी मण्डल की मंगलवार सुबह सुराणा निवास से ही चातुर्मासिक मंगल प्रवेश यात्रा शुरू होगी। सुराणा निवास पर सोमवार को दिनभर महासाध्वी मण्डल के दर्शन एवं धर्मलाभ पाने के लिए श्रावक-श्राविकाएं पहुंचते रहे।

श्री दिगंबर जैन महावीर महिला मंडल कालाडेरा की मीटिंग संपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री दिगंबर जैन मंदिर महावीर स्वामी गोपाल जी के रास्ते में स्थित महावीर महिला मंडल की मीटिंग की गई । जिसमें 60 सदस्याऐ उपस्थित थी । मीटिंग में नेमिनाथ भगवान के जन्म तप के बारे में चर्चा की व भादवे के बारे में चर्चा की , बाहर जाने का प्रोग्राम बनाया और धर्म की हाउजी खिलाई गई जिसमें सम्यकदर्शन सम्यकज्ञान सम्यकचारित्र व शिखर जी की यात्रा गिरनार जी की यात्रा, राजगिरी जी की यात्रा , सोना गिरजी की यात्रा पावापुर की यात्रा रखी गई । अध्यक्षा सुशीला छाबड़ा ने बताया कि मीटिंग बहुत ही शानदार रही मंडल के पदाधिकारी किरण बैनाडा, मोना पाटनी ,वंदना छाबड़ा, ममता गंगवाल, मंजू छाबड़ा, प्रियंका गदिया , मेघना कासलीवाल ,सुलोचना सेठी, सुनीता अजमेरा, सुनीता बोहरा, किरण सेठी ,ममता लुहाडिया मीटिंग बहुत ही सुचारू रूप से हुई।

रोटरी क्लब द्वारा नसीराबाद में वितरीत किए गए निःशुल्क पावन तुलसी के पौधे

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

नसीराबाद। रोटरी क्लब नसीराबाद की ओर से आज सुबह साढ़े 6 बजे से फ्राम जी चौक स्थित जी डी टॉवर पर निःशुल्क तुलसी के पौधों का वितरण किया गया,नव नियुक्त अध्यक्ष मनीष झंवर और सचिव हेमंत के अनुसार इस अवसर पर 500 तुलसी के पौधे वितरित किएगए , प्रातः भ्रमण करने वालों ने इस सुविधा का भर पूर लाभ उठाया इस मौके पर रोटेरियन द्वारका प्रसाद अग्रवाल, अमित ऐरन विजय मेहरा ,मनीष झंवर (अध्यक्ष) हेमन्त जैन (सचिव) नीलेश गर्ग, हिमांशु गर्ग, मुकेश गर्ग, चंद्र शेखर गढ़वाल, राजेश गोयल सुनील माहेश्वरी, विनोद अजमेरा, विजय अजमेरा, भागचंद झंवर श्रीमती गायत्री झंवर पूजा झंवर, निवेदिता जिन्दल, श्री मति कौशल गढ़वाल, श्रीमती अनिला एरन, मधु गर्ग सीमा सेठी, रितु जैन नेहा गर्ग सहित अन्य अनेक रोटरी क्लब सदस्योंऔर मॉर्निंग वॉक महिला ग्रुप के सदस्यों ने सक्रिय उपस्थिति दी। इस कार्यक्रम में वितरित किए गए पौधे श्री द्वारका प्रशाद ऐरन द्वारा उपलब्ध कराए गए। रोटरी क्लब के पदाधिकारीऔर सदस्यों ने बताया कि भविष्य में भी इसी प्रकार के जनकल्याण के कार्यक्रम आयोजित करते रहेंगे।